

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.

25000

पच्चीस हजार रुपये

RS.

25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470380

विक्रय पत्र

विक्रय पत्र अंकन : 28,86,612/- रुपये ।
स्टाम्प पेपर अंकन : 2,02,100/- रुपये ।

हे मे कि चन्द्रप्रकाश पुत्र श्री नौरंग निवासी-ग्राम डुराई परगना व तहसील
चादरी जिला गौतमबुद्धनगर (फरीक अज्जल /विकेता) ।

For & on behalf of Tash Development Pvt. Ltd.

Authorised Signatory

निबन्धन

Telenore Singh
Advocate
GATE



Telenore Singh
Advocate
GATE



Als Upfal Gedr. hi. te. d. Drukkers
Gedrukt.

[Handwritten signatures and dates]

[illegible]



भारतीय न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

भारत

रु.
25000

पच्चीस हजार रुपये

Rs.
25000

TWENTY FIVE THOUSAND RUPEES

INDIA

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470381

(2)

एवम

मैसर्स उषल चट्टाई एवं डेवेलपर्स प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय 33,
कम्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र
श्री अम्बादत्त पाठक, निवासी-33, कम्यूनिटी सेंटर न्यू फ्रेंड्स कालोनी नई
दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी (फरीक दायम/केता)

International Chudha Hi Tech Developments Pvt. Ltd.

[Signature]
Authorized Signatory

नि० २५५२/



३

जन्मको १९५८ मे ~~अशोक कुमार~~
पिता ~~सत्यपाल सिंह~~ मोदी
माता ~~उम मावदी विहा~~ मावदी
पति ~~विमल~~
पुत्र श्री ~~प्रदीप~~ धावत
निवासी ~~दुर्गा~~
पेको

२२/३/१०

दे प्रकार

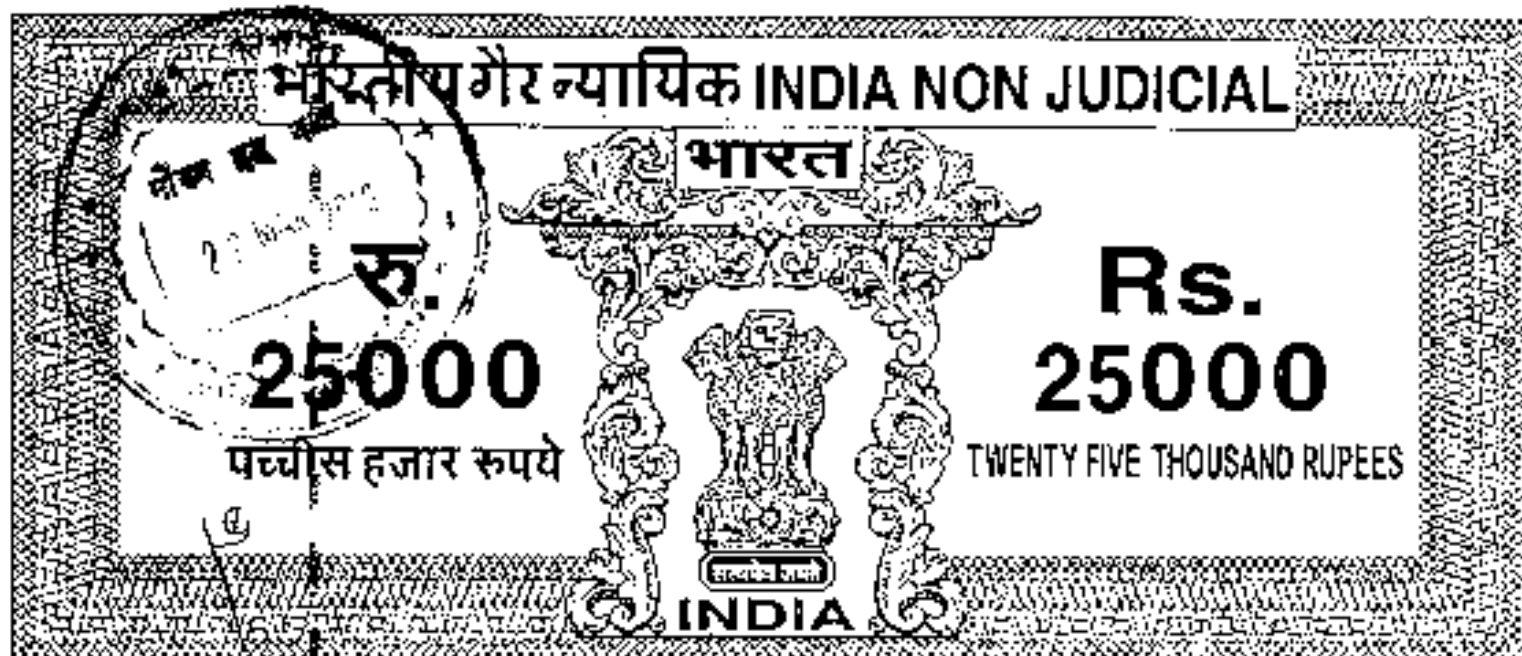
पुस्तक



Prm

६/३/१०

२२/३/१०



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470382

(3)

विक्रीत भूमि का विवरण

(1) स्थित ग्राम दुरवाई परगना ददरी तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर (बोप्रो), कृषि भूमि खाता नं० 145 के खसरा नं० 181मि. रकबई 1.0730 हैक्टेर का 1/4 भाग यानि 0.26825 हैक्टेयर का प्रथम पक्ष विक्रेता अनुसार खतौनी 1411-1416 फसली पूर्णतया स्वामी व विक्रय अधिकारी, संक्रमणीय भूमिधर कागजात दर्ज है, का बैनामा हाजा में विक्रय किया जा रहा है।

Digitized by eGangotri Tech Developers Pvt. Ltd.

Signature
Joint Secy

जि०-५-३/२०२१

सं. १०००/१०००/१०००
* वीरगद / गैरगद वृद्ध उपाय
सोविकारी





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470383

(4)

(2) विक्रीत भूमि कृषि भूमि है। जो किसी भी मुख्य मार्ग अथवा लिंक मार्ग पर स्थित नहीं है। भूमि मुख्य मार्ग से लगभग 500 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है तथा संक्रमणीय भूमिधारी की भूमि है। जिसका सरकारी सर्किल रेट 70,00,000/-रुपये प्रति हैक्टेयर है लेकिन प्रथम पक्ष ने सौदा द्वितीय पक्ष से 1,07,60,870 प्रति हैक्टेयर की दर से अंकन 28,86,612/-रुपये (अट्ठाईस लाख छियासी हजार छः सौ बारह रुपये मात्र) में तय है और सरकारी स्टाम्प क्रय मूल्य पर ही अदा किया गया है।

(3) विक्रेता अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से नहीं है। विक्रीत भूमि ग्राम समाज, भूदान, वक्फ, पट्टे आदि की तथा निष्कान्ति व शत्रु संपत्ति नहीं है और न ही इस पर कोई किसी प्रकार का विवाद है विक्रीत

For Official Certified Hi Tech Developers Pvt. Ltd.

Sethi
At the place Sign

दिनांक 24-3-2019





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470384

(5)

भूमि कृषि भूमि है जिसके विक्रय में स्टाम्प अधिनियम की धारा 27(1) का सत्यतापूर्वक अनुपालन किया गया है ।

(4) विक्रेता ने विक्रीत भूमि का प्रमाणित खसरा, खतौनी, भी विक्रय पत्र के साथ संलग्न किया है।

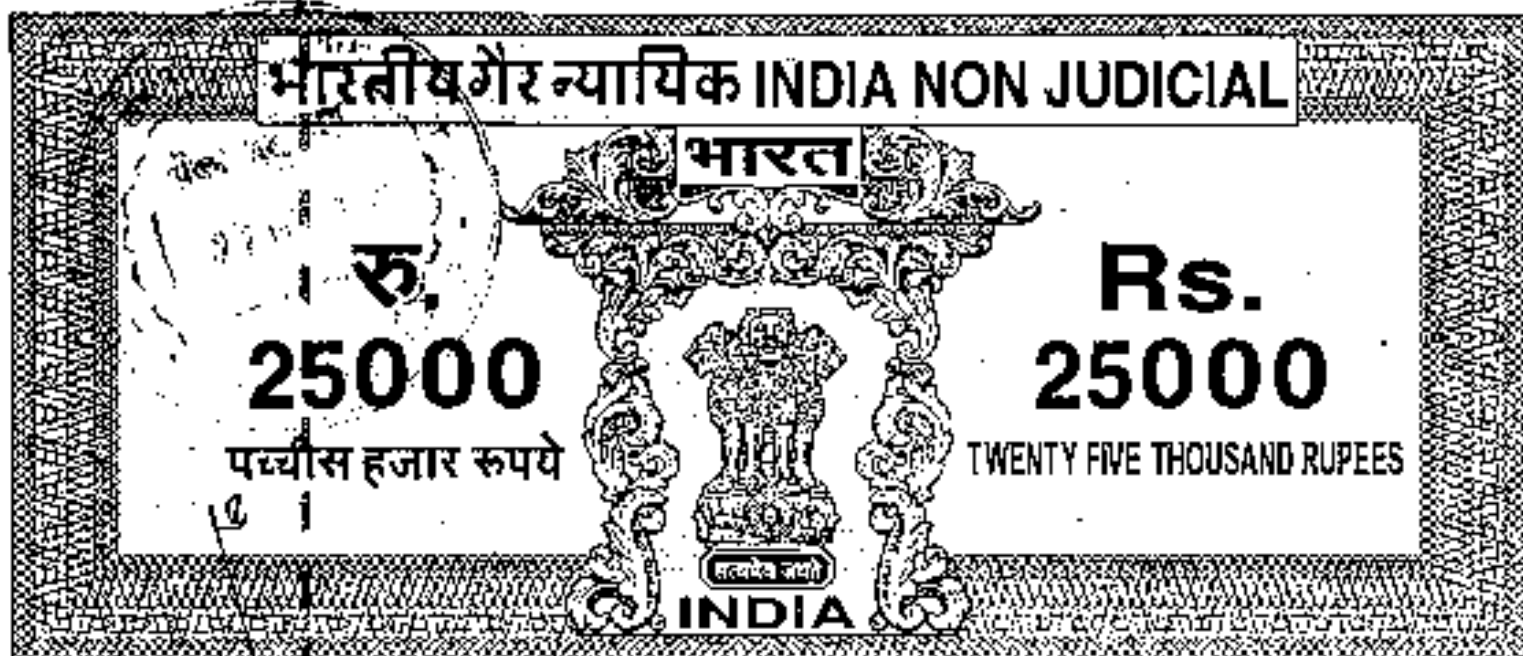
(5) विक्रीत भूमि उक्त आज दिन तक मुझ फरीक अव्वल (विक्रेता) की ओर से हर प्रकार के बन्धक, भार व सरकारी देनदारी आदि से मुक्त है। कहीं अन्य जगह आड, रहन, बय, हिबै, महायदाबय व जमानत सरकारी व अर्द्ध सरकारी व निजी रूप आदि में ग्रस्त नहीं है। और न उक्त पर कोई बैंक ऋण व बिजली या अन्य किसी प्रकार का ड्यूज है। इस विक्रय भूमि

For Lrha Chandra In Deen Developers Pvt Ltd

Patil
Authorized Signatory

कि २५५००२)





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470385

(6)

से संबंधित किसी भी प्रकार का विवाद-ग्रस्त मामला किसी भी न्यायालय व सरकारी व अईसरकारी विभाग/कार्यालय में न तो दर्ज है और न ही लम्बित है। और न ही किसी निर्णित आदेश का क्रियान्वन ही लम्बित है।

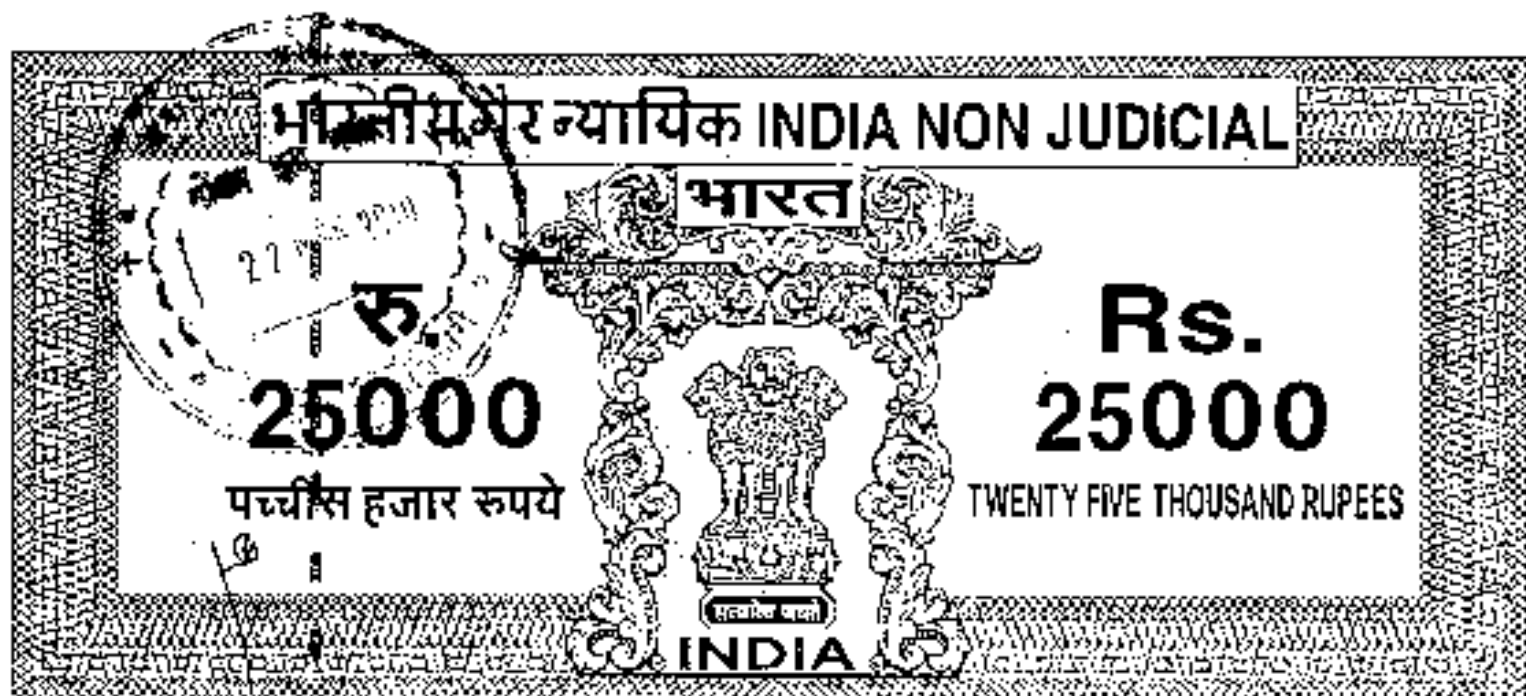
(6) विक्रीत भिल्लिकयत उक्त के विक्रय मे कोई दोष व त्रुटि नही है हर प्रकार के वाद विवाद से मुक्त है उपरोक्त वर्णित /उल्लिखित भूमि के संवध मे मुझ विक्रेता ने किसी अन्य व्यक्ति, कम्पनी आदि के हक मे कोई मौखिक करार, वसीयतनामा व विक्रय अनुबंध-पत्र, विक्रय पत्र, किसी भी कार्यालय में पंजीकृत व अपंजीकृत, पूर्व में न तो निष्पादित किया है और न ही कराया है और न ही कही नोटरी द्वारा सत्यापित हुआ है। यदि

For Urga Chacha IT Tech Developers Pvt. Ltd

for the
A 470385

नि० ११५५१२१





उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH

A 4/0386

(7)

भविष्य में इस संबंध में कोई भी वसीयतनामा, विक्रय अनुबंध/विक्रय पत्र प्रस्तुत करके विवाद उत्पन्न किया जाता है तो वह विवाद अमान्य व निष्प्रभावी होगा। तथा इसके जिम्मेदार फरीक अव्वल व उनके चारिसान होंगे

(7) मुझ विक्रेता को विक्रय पत्र में वर्णित उक्त खाता नं० 145 के खसरा नं० 181मि. रकबई 1.0730 हैक्टे० का 1/4 भाग यानि 0.26825 हैक्टेयर स्थित ग्राम दुर्याई परगना व तहसील दादरी जिला गौतमबुद्धनगर उसके अपने हिस्से के ~~मुझ विक्रेता~~ को बेचने का स्वतन्त्र अधिकार पूर्णतः प्राप्त है। मुझ विक्रेता को वास्ते तरक्की काशत एवं अन्य निजी आवश्यकता हेतु पैसों की आवश्यकता है तथा मुझे अपनी उक्त भूमि को उचित कीमत क्रेता से मिल रही है। अतः मुझ विक्रेता ने अपनी खुशी से

दि० ११/११/११

for sale
A 4/0386



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 470387

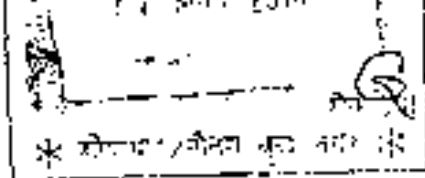
(8)

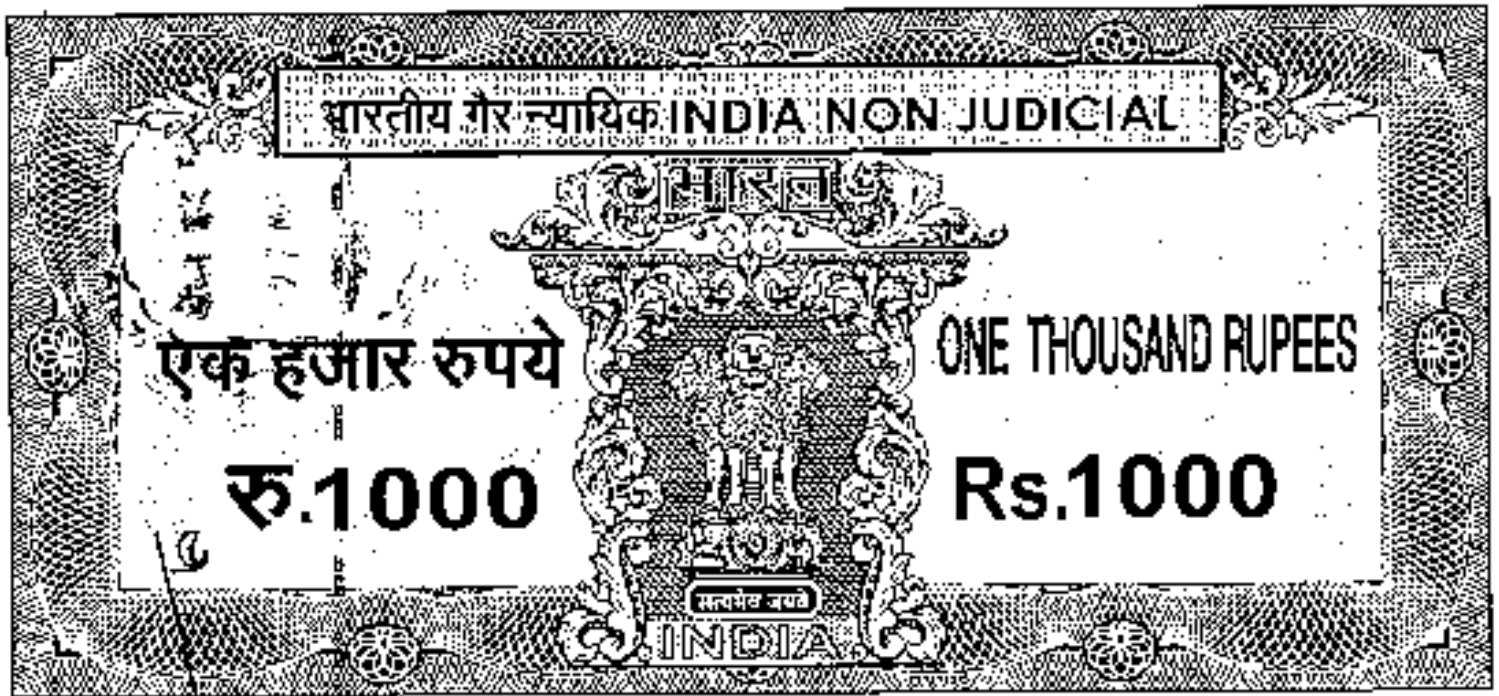
बिना किसी दबाव व धमकाव के, बरजामंदी, शुद्ध बुद्धि व स्वस्थ इन्द्रियों को दशा में अपने पारिवारिक सहमति से मय समस्त अधिकार मालिकाना, काबिजाना, दाखिली-खारिजी, काश्त भराई, हर किस्म कब्जा गर्ज के जो कुछ भी अधिकार मुझ विक्रेता को विक्रीत भूमि से प्राप्त थे उससे कुछ बचा हुआ नहीं रहा है आदि आदि को आज की तारीख में विक्रय धनराशी अंकन-28,86,612/-रुपये (अट्ठाईस लाख छियासी हजार छः सौ बारह रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन-14,43,306/-रुपये (चौदह लाख तिरालीस हजार तीन सौ छः रुपये मात्र) होते हैं के एवज में बहाथ फरीक दोयम क्रंता उपरोक्त मैसर्स उप्पल चढढा हाई टेक डेवलपर्स प्रा० लि० पंजीकृत कार्यालय 33, कम्युनिटी सेंटर न्यू फ्रैंड्स कालौनी नई दिल्ली द्वारा श्री दीपक पाठक पुत्र श्री अम्बादत्त पाठक, निवासी-33, कम्युनिटी सेंटर न्यू फ्रैंड्स कालौनी

For User: Gintana Tech Developers Pvt. Ltd

for user
Authenticated Signature

निवेदन 21





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

K 426819

(9)

नई दिल्ली अधिकृत हस्ताक्षरी द्वितीय पक्ष को बंध कर दिया है यानि कतई बेच दिया है और भूमि को कुल विक्रय धनराशि मुझ विक्रेता ने क्रेता से प्राप्त कर लिया है। अब कुछ भी विक्रय धनराशि बाकी नहीं रही है।

(8) विक्रय भूमि का कब्जा मौके पर क्रेता का पूर्ण वास्तविक रूप से करा दिया है जिसके क्रेता पूर्णतः मालिक काबिज दाखिल बन गये हैं उनको सर्वथा अधिकार है कि वह उक्त भूमि को जिस प्रकार चाहे वहसियत पालकाना प्रयोग में लावे।

(9) विक्रेता, विक्रीत भूमि के बाबत समस्त कागजात में बजरिये बैनामा दाखिल खारिज मालकागजात में कराकर क्रेता का नाम दर्ज करवावेगा या

Not a Notary Public for India

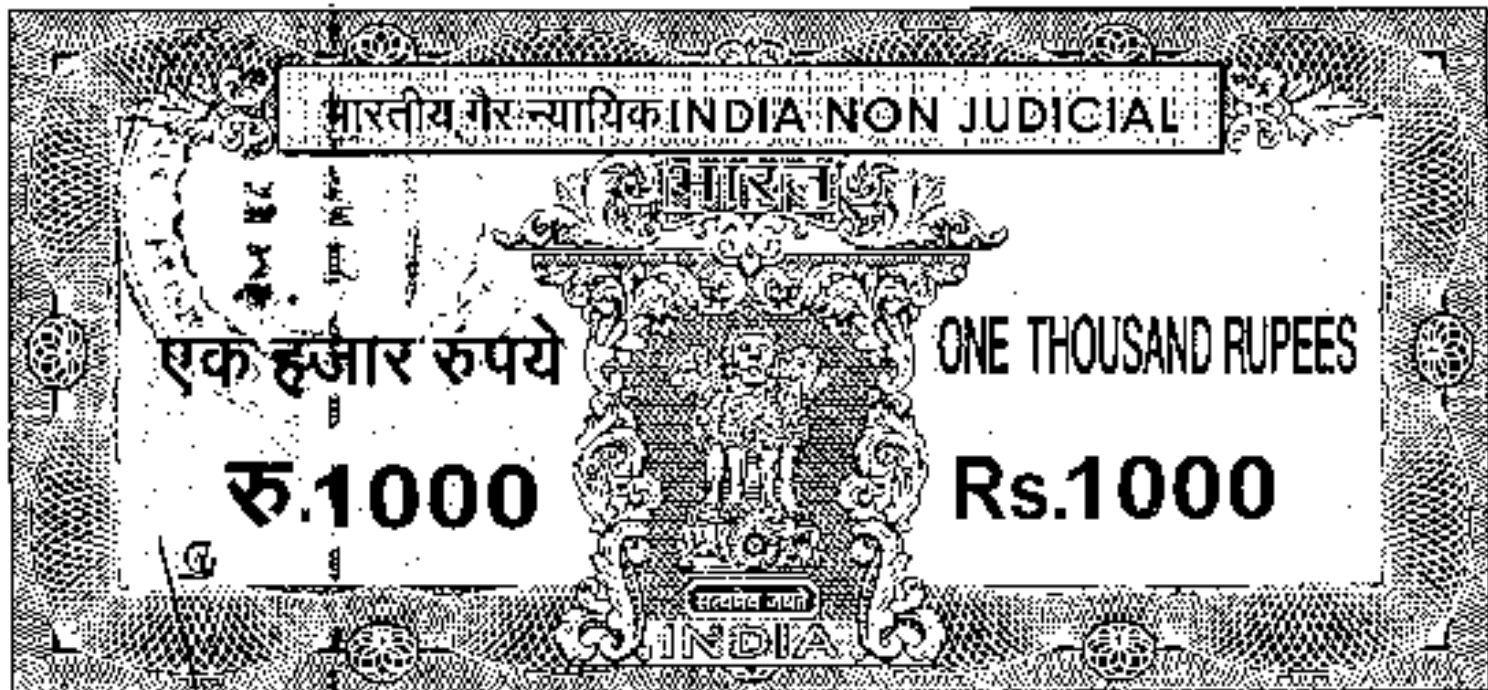
Signature
20/08/2019

निष्पत्ति 18/08/2019

100
100
100
100

Q





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

K 426820

(10)

वो स्वयं दर्ज करा सकते हैं तथा आवश्यक प्रपत्रों पर जहाँ चाहे हस्ताक्षर मुद्रा फरीक अञ्चल से करा सकते हैं, मुद्रा फरीक अञ्चल को कोई एताराज नहीं होगा ।

(10) अतः अब विक्रय पश्चात् विक्रीत भूमि की मिल्कियत भूमि में निहित हित व उसके मूल्य धन तथा किसी अंश से विक्रेता व वारिसान विक्रेता के, अब कोई संबन्ध बाकी नहीं रहा और न कभी रहेगा ।

(11) विक्रीत भूमि पर आज दिन तक फरीक अञ्चल/विक्रेता की ओर कोई भार निकला ओर निकला हुआ भार क्रेता या स्थानापन के अपने पास से अदा करना पड़ा अथवा विक्रेता के अनाधिकार से या वारिसान विक्रेता की

For Official Use Only. Tech Developer, E-1, D-1

Satish
20/10/2012

लि. नमू ५५५/२१



.....	12-68		100
.....	1258		4
22 160 2310			
* * * * *			







(13)

(5) एकसेस बैंक लिमिटेड अम्बेडकर रोड केरल नगर गजिमाबाद ब्रान्च बैंक नम्बर 207022 अंकन-28,86,612/- रुपये (अटलाईस लाख छियासी हजार छः सौ बारह रुपये मात्र) दिनांकित 22-03-2010 फरीक अक्बल द्वारा अतिथ रूप से प्राप्त कर लिये गये है।

लिपि - अंग्रेजी



आवर नं० 32/2009

(हस्ताक्षर/निशानी अंगुली)
फरीक अक्बल (विक्रेता)

(हस्ताक्षर/निशानी अंगुली)
फरीक दीपम (केता)

गवाह नं० 1 - श्री विनय कुमार शर्मा (अतिथी)

श्री विनय कुमार शर्मा

गवाह नं० 2 - श्री विनय शर्मा

श्री विनय शर्मा

नहरौर दिनांक 22.03.2010 भर्त्ताकार श्री तेजेंद्र सिंह एडवोकेट गजिमाबाद ।

श्री विनय शर्मा, श्री विनय शर्मा, श्री विनय शर्मा

दिनांक 22/3/10 को फोटोस्टिक
 ले पुस्तक संख्या 2/4 पर कल संख्या 32580
 के पृष्ठ 32580 पर कल संख्या 32580
 का गणितटीका विद्या भवन

उप निबन्धक
 गणित



उद्देश्य

मार्गसंख्या : दादवा

विद्यार्थी का नाम	पिता / पति / संबन्धक का नाम	निवास स्थान	शैक्षणिक अभिरूचि	कक्षा के प्रत्येक गणित की कक्षा का संयोजक	प्रत्येक गणित का संयोजक (है -)	समीक्षा कक्षा के संयोजक का नाम	परीक्षा के समय की संयोजक का नाम	दिनांक
विद्यार्थी का नाम	पिता / पति / संबन्धक का नाम	निवास स्थान	शैक्षणिक अभिरूचि	कक्षा के प्रत्येक गणित की कक्षा का संयोजक	प्रत्येक गणित का संयोजक (है -)	समीक्षा कक्षा के संयोजक का नाम	परीक्षा के समय की संयोजक का नाम	दिनांक

श्रीपति : 1-क भूतों को संतानार्थाय भूमिधरों के अधिकार में हूँ।

35.

DBS
.....
FRIED
B-DH

कुल गाँव: 1 कुल धी: 1.16% 55.18

[illegible]

उत्तर प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के लिए जाति प्रमाण -पत्र (प्रारूप प्रथम)

संख्या: 0357/तहसीलदार दादरी/2008/0-14869

दिनांक 27/12/2008

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **चन्द्रप्रकाश पुत्र/पुत्री/पत्नी श्री नौरंग** निवासी नखान मधुन ग्राम मौजिल **पुरियाई तहसील दादरी जनपद गौतमबुद्ध नगर**, उत्तर प्रदेश राज्य की जाट पिछड़ी जाति के व्यक्ति है, जो 1957 के 3050 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण) अधिनियम 1957 (यथा संशोधित) को अनुसूची एक के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है।

इस के प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **चन्द्रप्रकाश** पूर्वोक्त अधिनियम 1957 (यथा संशोधित) की अनुसूची के अन्तर्गत 3050 लोक सेवा (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण (संशोधित अधिनियम 2002 द्वारा संशोधित की गयी है) से आच्छादित नहीं है। इनके माता पिता की निरन्तर तीन वर्ष की अवधि के लिए एकत्र वार्षिक आय तीन लाख रुपये या इससे अधिक नहीं है तथा इनके पास धन का अधिनियम 1957 में तथा विभिन्न कृतों द्वारा से अधिक सम्पत्ति नहीं है।

यह प्रमाण पत्र श्री **अमित कुमार** लेखपाल की आज्ञा एवं आदेशक द्वारा दिए गए समथ पत्र के आधार पर जारी किया गया।

स्थान गौतमबुद्ध नगर
दिनांक 27/12/2008



हस्ताक्षर

पदनाम : तहसीलदार दादरी

जिलाधिकारी/अतिरिक्त जिलाधिकारी/सिटी मजिस्ट्रेट
परगना मजिस्ट्रेट/तहसीलदार/अन्य योजन में मजिस्ट्रेट
यदि कोई भी/जिला समाज कल्याण अधिकारी।

TO WHOM IT MAY CONCERN**LEGAL OPINION CUM SEARCH REPORT**

Dear Sir

I have examined the documents (Khasra, Khatauni and Search Certificate) and old revenue records available regarding the property given below and on basis of documents provided by you, I have prepared a detail report in respect of the property mentioned here in below:-

Sl No.	Particulars	Response
1	Name and Address of the owner/s	<i>Brahm Prakash, Makkhan Swaroop, Satyaveer and Chandra Prakash sons of Naurang</i> resident of Village Duryai, Pargana Dadri, Tehsil-Dadri & Distt- Gautambuddha Nagar
2	Respective shares	<i>All have 1/4 each share in property</i>
3	Detail of the property to be acquired	<i>Khata No. 145 Khasra No. 181mi Area 1.073 Hect,</i> situated at Vill- Duryai, Pargana Dadri, Tehsil-Dadri & Distt- Gautambuddha Nagar <i>Proposed sale deed area-0.26825 Hect.</i>
4.	Category of tenure holder	Tenure holder has transferable right
5.	Caste	Backward
6	(i) Charges or lien over the property by Bank etc.	As per Khatauni attached no charges or lien over the property.
7.	(ii) Whether NOC/No dues for transfer of land is required (from Mortgaged Bank/ financier/Money Lender, if any)	No
8.	Details of Register search in the office of Sub-Registrar.	As per search certificate bearing number 2009/139 Issued by Sub Registrar Dadri no encumbrance found over the sold property.
9.	Revenue records inspected during investigation	1) C.H-45 2) Khatauni of fasli year 1399-1404 3) Khatauni of fasli year 1405-1410 4) Khatauni of fasli year 1411-1416

Office at

25, Salempur House, Qaiserbagh, Lucknow

Mobile No:09335266005, 09336833344, 09311558884

JURIX-PRO

Advocates

Document	Name endorsed	Khasra No.	Khata No.	Comments/Order
CH-45	<i>Naurang s/o Bhikkhan</i>	181	136	Area 6-2-11 Beegha
Khatauni fasli year 1399-1404	<i>Naurang s/o Bhikkhan</i>	181	136	
Khatauni fasli year 1405-1410	<i>Naurang s/o Bhikkhan</i>	181mi	138	Vide order dated 7.12.2000 after the death of Naurang the name of Brahm Prakash, Makkhan Swaroop, Satyaveer and Chandra Prakash sons of Naurang are endorsed in his place as his legal heirs.
Khatauni fasli year 1411-1416	Brahm Prakash, Makkhan Swaroop, Satyaveer and Chandra Prakash sons of Naurang	181mi	145	Vide order dated 14.08.2006 the area of Khasra No. 181mi is corrected with 1.073 hectare in place of 1.162 hectare.
10.	Specific comments	<i>As per records available Sellers have 1/4 each Shares in property and they want to sell their full share of Khasra no. 181mi.</i>		
11.	Remarks.	On the basis of the document and records available, the name of the aforesaid owner/s is/are endorsed in the revenue records and title chain is complete. Seller/s has/have clear, marketable and transferable rights.		

Date :

For-JURIX-PRO


(Ravendra Pratap Singh)
Advocate

Office at

25, Salempur House, Qaiserbagh, Lucknow
Mobile No:09335266005, 09336833344, 09311558884

सेवा में,
शाखा प्रबन्धक

पी.एन.डी.
रुपरेखा

विशय : अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) के सम्बन्ध में

महोदय,

श्रीमान जी से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी / प्रार्थीगण ने अपनी भूमि जिसका खाता संख्या 145 खसरा नम्बर 1131 रकबा 1.1.30 स्थित ग्राम डरपाई परगना जादरी व तहसील जादरी जिला गौ.प्र.नगर । मुझ प्रार्थी को उपरोक्त भूमि में उषल चक्का हाईटैक डेवेलपर्स प्रा० लि० को बेचना है। इस कारण कम्पनी को बैंक से अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) की आवश्यकता है कि मुझ प्रार्थी की भूमि पर कोई ऋण नहीं है।

अतः आप से निवेदन है कि मुझ प्रार्थी को अनापत्ती प्रमाण पत्र (एन० ओ० सी०) प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

प्रार्थी

ब्रह्मप्रकाश, मकरपनहवतप } 5/6 गैरज
सत्यवीर चन्द्रप्रकाश
नि. 21/8 - डरपाई



[illegible][illegible][illegible][illegible]

04/05/2010

आधेरागुल्लर श्रीधर ॥ न्यायिक वि. १२१॥
२०१६-१८ में ऑरिंग्टन वि. १४५ के ख. न.
१८१५३ ०७३३ का १४ भाग ०.२६८२ है। वे विवेका
साल के विधि पूरा नहीं किया का न्याय खारिज
करके देना है। न्याय खारिज है। के न्याय
आदि। कंजुनदर करालय-३३ कानून वि. सेंटर न्यू
केवल कानून नई दिल्ली द्वारा सीक करक न्या
अलाइनर वि. ३३, कानून वि. सेंटर न्यू केवल
द्वारा न्याय : १८१५ ०७३३

क्र.सं.	विवरण	प्रमाण	दिनांक	स्थान	विवरण	प्रमाण	दिनांक	स्थान
1	...	...	...	...	...	...	...	...
2	...	...	...	...	...	...	...	...
3	...	...	...	...	...	...	...	...
4	...	...	...	...	...	...	...	...
5	...	...	...	...	...	...	...	...
6	...	...	...	...	...	...	...	...
7	...	...	...	...	...	...	...	...
8	...	...	...	...	...	...	...	...
9	...	...	...	...	...	...	...	...
10	...	...	...	...	...	...	...	...
11	...	...	...	...	...	...	...	...
12	...	...	...	...	...	...	...	...
13	...	...	...	...	...	...	...	...
14	...	...	...	...	...	...	...	...
15	...	...	...	...	...	...	...	...
16	...	...	...	...	...	...	...	...
17	...	...	...	...	...	...	...	...
18	...	...	...	...	...	...	...	...
19	...	...	...	...	...	...	...	...
20	...	...	...	...	...	...	...	...
21	...	...	...	...	...	...	...	...
22	...	...	...	...	...	...	...	...
23	...	...	...	...	...	...	...	...
24	...	...	...	...	...	...	...	...
25	...	...	...	...	...	...	...	...
26	...	...	...	...	...	...	...	...
27	...	...	...	...	...	...	...	...
28	...	...	...	...	...	...	...	...
29	...	...	...	...	...	...	...	...
30	...	...	...	...	...	...	...	...
31	...	...	...	...	...	...	...	...
32	...	...	...	...	...	...	...	...
33	...	...	...	...	...	...	...	...
34	...	...	...	...	...	...	...	...
35	...	...	...	...	...	...	...	...
36	...	...	...	...	...	...	...	...
37	...	...	...	...	...	...	...	...
38	...	...	...	...	...	...	...	...
39	...	...	...	...	...	...	...	...
40	...	...	...	...	...	...	...	...
41	...	...	...	...	...	...	...	...
42	...	...	...	...	...	...	...	...
43	...	...	...	...	...	...	...	...
44	...	...	...	...	...	...	...	...
45	...	...	...	...	...	...	...	...
46	...	...	...	...	...	...	...	...
47	...	...	...	...	...	...	...	...
48	...	...	...	...	...	...	...	...
49	...	...	...	...	...	...	...	...
50	...	...	...	...	...	...	...	...
51	...	...	...	...	...	...	...	...
52	...	...	...	...	...	...	...	...
53	...	...	...	...	...	...	...	...
54	...	...	...	...	...	...	...	...
55	...	...	...	...	...	...	...	...
56	...	...	...	...	...	...	...	...
57	...	...	...	...	...	...	...	...
58	...	...	...	...	...	...	...	...
59	...	...	...	...	...	...	...	...
60	...	...	...	...	...	...	...	...
61	...	...	...	...	...	...	...	...
62	...	...	...	...	...	...	...	...
63	...	...	...	...	...	...	...	...
64	...	...	...	...	...	...	...	...
65	...	...	...	...	...	...	...	...
66	...	...	...	...	...	...	...	...
67	...	...	...	...	...	...	...	...
68	...	...	...	...	...	...	...	...
69	...	...	...	...	...	...	...	...
70	...	...	...	...	...	...	...	...
71	...	...	...	...	...	...	...	...
72	...	...	...	...	...	...	...	...
73	...	...	...	...	...	...	...	...
74	...	...	...	...	...	...	...	...
75	...	...	...	...	...	...	...	...
76	...	...	...	...	...	...	...	...
77	...	...	...	...	...	...	...	...
78	...	...	...	...	...	...	...	...
79	...	...	...	...	...	...	...	...
80	...	...	...	...	...	...	...	...
81	...	...	...	...	...	...	...	...
82	...	...	...	...	...	...	...	...
83	...	...	...	...	...	...	...	...
84	...	...	...	...	...	...	...	...
85	...	...	...	...	...	...	...	...
86	...	...	...	...	...	...	...	...
87	...	...	...	...	...	...	...	...
88	...	...	...	...	...	...	...	...
89	...	...	...	...	...	...	...	...
90	...	...	...	...	...	...	...	...
91	...	...	...	...	...	...	...	...
92	...	...	...	...	...	...	...	...
93	...	...	...	...	...	...	...	...
94	...	...	...	...	...	...	...	...
95	...	...	...	...	...	...	...	...
96	...	...	...	...	...	...	...	...
97	...	...	...	...	...	...	...	...
98	...	...	...	...	...	...	...	...
99	...	...	...	...	...	...	...	...
100	...	...	...	...	...	...	...	...

कालीन नई दिल्ली के नम कला केनान वन है।

म.स.का. 4-5-2010

वारेणसुमा श्रीमान वर न्यायिक वि.न (2) 8/29-4-10

को आदेश है का कि का.स. 1.45 के छ.न. 18 कि

1.07.35 अ 1/4 चाा 0.26824 से निरुता

बद्ध प्रयोग एन नौरा वि.आम कर चाा जारि

करके केना पे.उपस पावडा राई डिक केवलसे

श्री.वि. पंजीजन का.स.स. 3.3 का.वि.स. के.र न्यू

के.स.स. के.स.स. नई दिल्ली द्वारा शेरिक पावक पूरे

शामसत भावक वि. 2.3 का.वि.न.स. से.स. नू के.स.स.

का.स.स. नई दिल्ली नम नम बतोर के.स.स. वन है।

म.स.का. 4-5-2010

याताने मज्झिमा नि. १२.४८/२०-५-१०
को आदेश देवा किंवा या. १८५ के छ. न. ३४ (मि)
१.०१३६ अ १/४ माग ०.२०६२६. मी दिनेला
बद्धकाला एव गौरा वि. माग कर. माग जादिर
करके देला म. उपस पाठ्या पाई धेक देवातमसे
श्रांति. पनीवेल काळदेस. ३३ काळमिरी देवर नू
देसस कळमिरी नंदे देलसी माग शेरक पाठक पुन
शपादत पाठक वि. ३३ कळमिरी शेर न देलस
काळमिरी नू दिनेली नम माग बतोर देवापा दनी ने।
हर. व. ५-५-२०१०

पृ. नं.: 1 ; पृ. क्ष.: 1.1620 55.18